युवति :Sample
नक्षत्र :मूल
जन्म दिनांक : 01 Nov, 1981 07:16 pm
रेखांश : 77:6 अक्षांश : 28:0

युवक : Sample
नक्षत्र :उ.भाद्रपद
जन्म दिनांक : 11 Aug, 1979 09:14 am
रेखांश : 72:0 अक्षांश : 20:58

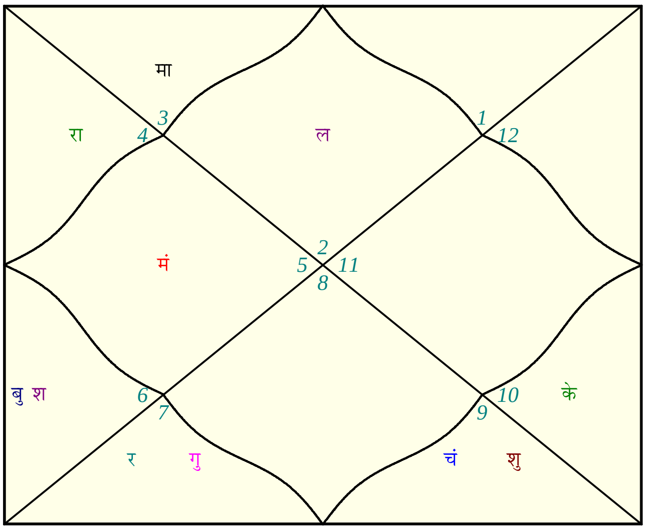

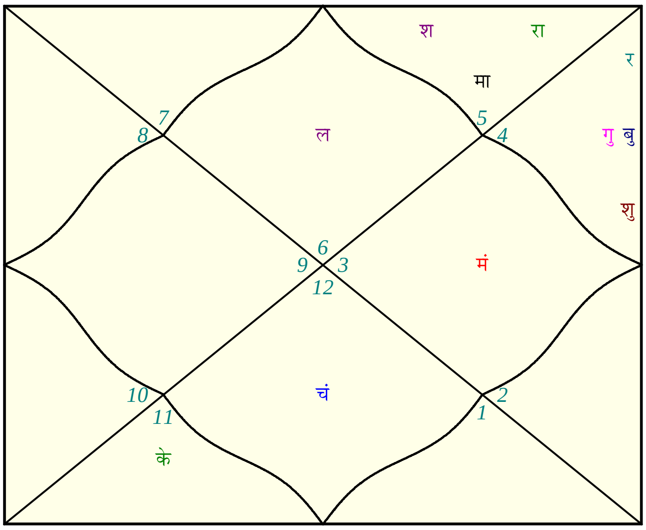

जन्म नक्षत्रों का ताल-मेल।

कूट मिलन की पध्दति प्रयुक्त किया गया है।

कूट का नाम	मिली गयी अंख	अधिकतम अंख
वर्ण	1	1
वश्य	1	2
तारा	2	3
योनि	2	4
ग्रहमैत्री	5	5
गण	0	6
भकूट	7	7
नाडी	8	8
संम्पूर्ण	26	36

जन्म नक्षत्रों में श्रेष्ठ प्रकार से ताल-मेल है। (उत्तम)
नक्षत्र ताल-मेल की गणना’ 72%

अन्य कारक

महेन्द्र कूट्ट	असंतृप्त
स्त्री दीर्ग कूट्ट	असंतृप्त
रज्जू दोष	दोष मुक्त
वेध दोष	दोष मुक्त

मंगल दोष विवरण

जन्मपत्रिका में मंगल का प्रभाव महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वैवाहिक जीवन में, जीवनसाथिओं के बीच का ताल-मेल मंगल के प्रभाव से बना रहता है। साधारण, एक खास प्रकार की मान्यता प्रचलित है कि जन्मकुडंली में जब मंगल सातवें या आठवें स्थान पर रहता है तो अमंगल का कारण बनता है। अनेक ग्रंथों में शास्त्रोक्त विवरणों से पता चलता है कि अनेक कारणों को लेकर मंगल के अशुभ प्रभाव से मुक्त रहा जा सकता हैं। इसका संक्षिप्त विवरण यहाँ दिया गया है।

मंगल के शुभ-अशुभ प्रभाव, लग्न स्थान की अपेक्षा से गणना की जाती है।

लडकी की मंगल चौथा भाव में है। : अंशिक प्रभाव प्रकट करनेवाला है।
मंगल राशीचक्र में सिंह स्थान पर रहा है और इस कारण अशुभ प्रभाव से मुक्त रहा है।
लडके का मंगल दसवाँ भाव में है। : दोष मुक्त

मंगलदोष की समतुलना संतोषजनक रही है।

चंन्द्र की अपेक्षा मंगलदोष की तुलना।

लडकी की मंगल नवमा भाव में है। : दोष मुक्त

लडके का मंगल चौथा भाव में है। : अंशिक प्रभाव प्रकट करनेवाला है।

लडकी की जन्मपत्रीका में, लडके के राशीचक्र की तुलना में मंगल दोष कम दिखाई पडता है।

शुक्र की उपस्थिति से मंगल दोष की तुलना।

लडकी की मंगल नवमा भाव में है। : दोष मुक्त

लडके का मंगल बारहवाँ भाव में है। : अंशिक प्रभाव प्रकट करनेवाला है।

लडकी की जन्मपत्रीका में, लडके के राशीचक्र की तुलना में मंगल दोष कम दिखाई पडता है।

मंगलदोष की संक्षिप्त जानकारी।

अवलंबित	**फल**
लग्नस्थान	संतोषजनक रहा है।
चन्द्रस्थान	कन्या की मंगलदोष को कम कर रहा है।
शुक्रस्थान	कन्या की मंगलदोष कम हो रहा है।

मंगलदोष के कारण जन्मपत्रिकाओं के बीच तालमेल संतोषजन्य नहीं माना जाता

पाप साम्यता

बुध, शनि, राहू, केतु और सूर्य लग्नस्थान की अपेक्षा से और चंन्द्र तथा शुक्र के स्थान की अपेक्षा से गुण-दोष फलों का समीकरण किया गया है।

पाप साम्यता   समीकरण संतोषजनका नहीं है।

दशा सन्धी की जाँच।

कन्या की जन्म तिथि। 1/11/1981

जन्म के वक्त दशा की समतुलना केतु   3 साल, 4 महीना, 18 दिन.
रवि दशा की समाप्ती 21/03/2011
चंद्र दशा की समाप्ती 20/03/2021
मंगल दशा की समाप्ती 20/03/2028

लडके का जन्म तिथि 11/8/1979

जन्म के वक्त दशा की समतुलना शनि   14 साल, 2 महीना, 1 दिन.
बुध दशा की समाप्ती 11/10/2010
केतु दशा की समाप्ती 11/10/2017

कन्या की दशा 21/03/2011 को बदलती है, तब लडके की दशा 160 दिन के अंदर बदलती है।

संक्षिप्त और सिफारिश।

जाँच	फल	टिप्पणी
जन्म नक्षत्रों का ताल-मेल।	**उत्तम**	कूट्ट मिलन की पध्दति प्रयुक्त किया गया है।
मंगल दोष विवरण	**असंतृप्त**	
पाप साम्यता	**असंतृप्त**	
दशा सन्धी की जाँच।	**असंतृप्त**	कठिन जाँच किया गया है।

इन जन्मपत्रिकाओं में ताल मेल नहीं हो सकता

Porutham Code : S3-K1-P1-D06 Ver.5.3 20100720

DISCLAIMER: .

Although broadly based on Indian Predictive Astrology, we request you to consider this report as an independent work of Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd.ASTRO-VISION astrological calculations are based on scientific equations and not on any specific published almanac. Therefore, comparisons between the calculations made by ASTRO-VISION and those published in almanacs are absolutely unwarranted.Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd. shall not entertain any dispute on differences arising out of such comparisons. Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd. cannot be held responsible for the decisions that may be taken by anyone based on this report.While we ensure that each report is prepared meticulously and with utmost care, we do not rule out the possibility of any unexpected errors. In case of any errors our liability is limited to the replacement of the report with a rectified one. The software versions and the predictive text in the reports are subject to continuous modifications, including addition of new chapters. This is necessitated by the nature of the content and our constantly evolving research findings. We have adopted "Chitrapaksha ayanamsa" for all our calculations as it is the most popular and widely used ayanamsa system in India. The astrological calculations and predictions may differ in case a different ayanamsa is used. There are minor variations in the systems and practices followed by different regions of India and we have accommodated some of these variations in the regional language versions. As a result, the reports generated in different languages may not be exact translations. Also, all the language versions are not updated simultaneously.